RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 15 AUGUST (स्वतंत्रता दिवस विशेषांक) ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 47 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

मुख्यमंत्री ने इंदौर में आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के कार्यालय का किया शुभारंभ Page 3

इंदौर जिले में पूर्ण गरिमा, उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस Page 4

युवा शक्ति, नारी सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और किसान कल्याण मिशन प्रदेश के स्थापना दिवस से होंगे आरम्भ : मुख्यमंत्री Page 7

editorial

सरकार की प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आजादी की 78वीं सालगिरह के मौके पर लगातार 11वीं बार लालकिले पर तिरंगा फहराया और वहां से देश को संबोधित किया। पीएम मोदी भाषण देने की अपनी कला के लिए खास तौर पर जाने जाते हैं। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि लाल किले पर उनके भाषण भी सबसे ज्यादा लंबे होते रहे हैं। इस बार 98 मिनट लंबा भाषण देकर उन्होंने अपना भी पिछला सारा रेकॉर्ड तोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को ऊंचे सपने देखने, बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने वर्तमान की चुनौतियों को भविष्य की अपनी दृष्टि पर हावी नहीं होने दिया। 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को ताजा करते हुए उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों के देश के लिए यह कोई मुश्किल लक्ष्य नहीं है। पीएम मोदी का कार्यकाल इस लिहाज से भी खास है कि उनकी पार्टी के जिन लक्ष्यों को राजनीति की अन्य धाराएं लगभग नामुमकिन मानती थीं, उन्हें देश के अजेंडा का हिस्सा बनाते हुए हासिल कर लिया गया। चाहे वह अयोध्या में राममंदिर बनाने की बात हो या अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा खत्म करने की, मोदी सरकार के दौरान यह संभव हुआ। ऐसा ही एक और लक्ष्य है कॉमन सिविल कोड जो राष्ट्रीय स्तर पर लागू होना बाकी है। लाल किले से अपने भाषण में पीएम मोदी ने सेकुलर सिविल कोड के रूप में इसका जिक्र करके यह संकेत दिया है कि इसे देशवासियों के लिए स्वीकार्य बनाना और लागू करना उनकी सरकार की प्राथमिकता में काफी ऊपर है। पीएम मोदी देश में बार-बार होने वाले चुनावों को विकास की राह में बाधा मानते हैं और यह कोशिश करते रहे हैं कि पूरे देश में एक साथ चुनाव होने लगें। लेकिन हालिया लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें कम होने के बाद उनकी पार्टी और सरकार का यह अजेंडा आगे बढ़ना मुश्किल माना जा रहा है। इसके बावजूद पीएम मोदी ने अपने भाषण में इसका भी जिक्र करते हुए यह संकेत दिया कि इस दिशा में उनकी सरकार के प्रयास जारी रहेंगे। इन सबके साथ ही पीएम मोदी भाषण में अपनी सरकार की खास उपलब्धियों और उसके सामने मौजूद चुनौतियों का जिक्र करना नहीं भूले। स्पेस सेक्टर में सौ से ज्यादा स्टार्टअप शुरू होने, 75000 मेडिकल सीटें बढ़ाने और महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए अतिरिक्त प्रयास की जरूरत बताने जैसी घोषणाएं इसी श्रेणी में आती हैं। कुल मिलाकर इस भाषण को संतुलित और प्रेरक कहा जा सकता है लेकिन इसकी असल परीक्षा इस बात में है कि अगले पूरे साल सरकार के कार्यों में इसकी कितनी और कैसी झलक मिलती है।

'सेक्यूलर सिविल कोड समय की मांग'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी तीसरी पारी में लाल किले की प्राचीर से पहले संबोधन में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सुधारों के बड़े एजेंडे को आगे बढ़ाने के इरादे साफ करते हुए देश में सामान्य नागरिक संहिता (यूनिफार्म सिविल कोड) लागू करने की पहल करने का एलान किया।

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वर्तमान नागरिक संहिता को सांप्रदायिक और भेदभावकारी करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सेक्यूलर नागरिक संहिता' समय की मांग है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की दृढ़ता पर अडिग रहने की घोषणा करते हुए पीएम ने राजनीति में परिवारवाद का वर्चस्व खत्म करने का आह्वान किया।

एक देश-एक चुनाव की आवश्यकता पर दिया जोर

साथ ही उन्होंने एक लाख ऐसे युवाओं से सियासत में आने का आह्वान किया, जिनके परिवार का कोई भी सगा-संबंधी कभी राजनीति में नहीं रहा हो। बार-बार चुनाव के बोझ को खत्म करने के लिए एक देश एक चुनाव की व्यवस्था लागू किए जाने की मजबूत पैरोकारी की। आर्थिक सुधारों के अगले चरण से नहीं हिचकने का संकेत देते हुए पीएम ने देश में मेडिकल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अगले पांच साल में मेडिकल कालेजों में 75000 नई सीटें बढ़ाने का भी एलान किया। लोकसभा चुनाव की कामयाबी के आत्मविश्वास से लबरेज प्रधानमंत्री मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लगातार 11वीं बार लालकिले पर तिरंगा फहराते हुए अपने डेढ़ घंटे से अधिक लंबे संबोधन में देश के तमाम मुद्दों-सवालों को छूने का प्रयास किया। इसमें सुधारों के एजेंडे पर उनका खास फोकस रहा।

मौजूदा सिविल कोड को बताया सांप्रदायिक

सुप्रीम कोर्ट से लेकर कई मंचों पर सामान्य नागरिक संहिता से जुड़ी चर्चाओं का हवाला देते हुए पीएम ने कहा कि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है और इसमें सच्चाई भी है कि जिस नागरिक संहिता को लेकर हम जी रहे हैं, वह सचमुच में एक प्रकार का सांप्रदायिक सिविल कोड है। यह भेदभाव करने वाला सिविल कोड है। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब संविधान के 75 वर्ष मना रहे हैं तो संविधान की भावना और सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, उसे देखते हुए हम सब का दायित्व है कि इस गंभीर विषय पर देश में व्यापक चर्चा हो। मोदी ने कहा कि जो कानून धर्म के आधार पर देश को बांटते हैं, ऊंच-नीच का कारण बन जाते हैं, ऐसे कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं सकता है।

पीएम मोदी के लाल किले से दिए भाषण में क्या रहा खास?

सेक्यूलर सिविल कोड को बताया समय की मांग

पीएम ने कहा कि इसलिए समय की मांग है अब देश में एक सेक्यूलर सिविल कोड हो। उन्होंने कहा, 'हमने 75 साल सांप्रदायिक सिविल कोड में बिताए अब सेक्यूलर सिविल कोड की तरफ जाना होगा, तभी देश में धर्म के आधार पर जो भेदभाव हो रहें है, उससे हमें मुक्ति मिलेगी।' गौरतलब है कि राम मंदिर और धारा 370 के साथ सामान्य नागरिक संहिता दशकों से भाजपा के तीन कोर राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा रहा है। पहले दो कार्यकाल में दोनों प्रमुख एजेंड़े को पूरा करने के बाद तीसरे कार्यकाल के दौरान पीएम ने यूनिफार्म सिविल कोड पर फोकस बढ़ाने के इरादे जाहिर कर दिए।

युवाओं से राजनीति में आने का किया आह्वान

राजनीतिक और चुनावी सुधारों की पहल आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ने परिवारवाद की राजनीति पर प्रहार करते हुए एक लाख सामान्य युवाओं से राजनीति में आने का लाल किले से सबसे महत्वपूर्ण आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परिवारवाद व जातिवाद से लोकतंत्र को बहुत नुकसान हो रहा है। राजनीति को इन दोनों से मुक्ति दिलानी होगी। इस लक्ष्य के लिए पीएम ने माई भारत मिशन की चर्चा करते हुए कहा कि हम जल्द देश के राजनीतिक जीवन में जन प्रतिनिधि के रूप में एक लाख ऐसे नौजवानों को आगे लाना चाहते हैं, जिनके परिवार में किसी की भी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न रही हो। ऐसे होनहार नौजवान चाहे पंचायत, नगरपालिका, जिला परिषदों, विधानसभा या लोकसभा में आएं, इससे जातिवाद और परिवारवाद से मुक्ति मिलेगी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ छेड़ी है जंगः पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि इससे लोकतंत्र समृद्ध होगा और जरूरी नहीं कि ये सभी युवा एक दल में जाएं, उन्हें जो दल पसंद हो उसमें जाएं। देश में बार-बार चुनाव से प्रगति में गतिरोध की बात करते हुए पीएम ने कहा कि हर तीन-छह महीने में कहीं न कहीं चुनाव होते हैं, ऐसे में एक देश एक चुनाव पर गठित कमिटी की रिपोर्ट तैयार है। देश को इसके लिए आगे आना होगा।

पीएम ने राजनीतिक दलों से एक देश एक चुनाव को साकार करने के लिए आगे आने की अपील की

भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए मोदी ने कहा कि हर देशवासी इस दीमक से परेशान रहा है। इसलिए मैंने व्यापक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जंग छेड़ी है, जिसकी कीमत अपनी प्रतिष्ठा से भी चुकानी पड़ती है, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई अधिक तीव्र गति से जारी रहेगी, क्योंकि भ्रष्टाचारियों में भय का वातावरण पैदा करके लूटने की परंपरा को उन्हें रोकना है।

विश्व समुदाय से अपील, भारत की समृद्धि दुनिया के लिए संकट नहींः मोदी

चुनौतियां हैं, अनिगनत चुनौतियां हैं। चुनौतियां भीतर भी हैं, चुनौतियां बाहर भी हैं। जैसे-जैसे हम ताकतवर बनेंगे, जैसे-जैसे तवज्जो बढ़ेगा, चुनौतियां भी बढ़ने वाली हैं। बाहर की चुनौतियां और बढ़ने वाली हैं। मुझे इसका भली-भांति अंदाज है। मैं ऐसी शक्तियों कहना चाहता हूं- भारत का विकास किसी के लिए संकट लेकर नहीं आएगा। हम विश्व में समृद्ध थे तब भी हमने इस दुनिया को युद्ध में नहीं झोंका। हम बुद्ध के देश हैं, युद्ध हमारी राह नहीं है। इसलिए विश्व चिंतित नहीं हो, भारत के आगे बढ़ने से। मैं विश्व समुदाय को विश्वास दिलाता हूं कि आप भारत के संस्कारों को समझिए, भारत के हजारों साल के इतिहास को समझिए, आप हमें संकट मत मानिए, आप उन तरकीबों से मत जुड़िए जिनके पूरी मानवता का कल्याण करने का सामर्थ्य जिस भूमि में है, उस भूमि को ज्यादा मेहनत करनी पड़े। फिर भी मैं देशवासियों को कहना चाहता हूं कि चुनौतियां कितनी भी क्यों न हो, चुनौतियों को चुनौती देना, ये हिंदुस्तान की फितरत में है। न हम डिगेंगे, न हम थकेंगे, न हम रुकेंगे, न हम झुकेंगे। हम संकल्पों की पूर्ति के लिए, 140 करोड़ भारतीयों का भाग्य सुनिश्चित करने के लिए, राष्ट्र के सपनों को साकार करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। हम बदनीयत वालों को अपनी नेकनीयत से जीतेंगे।

आईईएसए और एमपीएसईडीसी ने मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमिकंडक्टर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए किया करार

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPSEDC) और इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स सेमिकंडक्टर ऐसोसिएशन (IESA) ने एक करार (मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) ईकोसिस्टम उपक्रमों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। इस रणनीतिक गठबंधन का लक्ष्य है मध्य प्रदेश में एक सक्रिय ईकोसिस्टम विकसित करना जिससे की इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस सर्विस (ईएमएस), प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) डिजाइन व मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग व सेमिकंडक्टर एटीएमपी का विस्तार हो सके और इस तरह भारत को ईएसडीएम के क्षेत्र में एक अहम शक्ति बनाने में योगदान दिया जाए।

आईईएसए के चेयरपर्सन डॉ वीरप्पन ने इस मौके पर कहा, ''एमपीएसईडीसी के साथ सहयोग कर के हम बहुत खुश हैं जो कि म.प्र. सरकार के साथ मिलकर नीतियां बना रही है और संभावित कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है ताकि वे राज्य में ईएसडीएम सुविधाएं स्थापित करें। इस भागीदारी के जरिए हमारा लक्ष्य है की म.प्र. में एमपीएसईडीसी व उद्योग के मध्य औपचारिक बातचीत का संस्थानिक तंत्र स्थापित किया जाए। हमारा यह प्रयास भारत को 2030 तक 50 अरब डॉलर का ईएसडीएम बाजार बनाने में योगदान करेगा।''

एमपीएसईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री अंशुल गुप्ता ने कहा, ''आईईएसए के साथ यह गठबंधन इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमिकंडक्टर उद्योग में मध्य प्रदेश की संभावनाओं को यथार्थ रूप देने की ओर एक अहम कदम है। आईईएसए एक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठन है जिसके 300 से अधिक सदस्य हैं, इनके साथ साझेदारी हमें नीति संबंधी सलाह, तकनीकी ज्ञान एवं परामर्श मेट्रिक्स में विशेषज्ञता प्रदान करेगी जिसके बल पर हम म.प्र. में एक जीवंत ईकोसिस्टम विकसित कर सकेंगे, जिसमें ईएमसी पार्क भी शामिल होंगे।'' आईईएसए के अध्यक्ष श्री अशोक चांडक ने इस पर कहा, ''मध्य प्रदेश में लम्बे वक्त से ईएसडीएम सेक्टर विकसित करने की सोची जा रही थी और यह राज्य ईएसडीएम आयोजनों में शिरकत करता रहा है और आईईएसए के फ्लैगशिप आयोजन विज़न सम्मिट को भी समर्थन दे रहा है। इस एमओयू पर जब दस्तखत हुए थे जब मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव बैंगलोर आए थे, उनकी उपस्थिति में एमपीएसईडीसी और आईईएसए के बीच यह ऐतिहासिक समझौता हुआ। इस करार से म.प्र. में ईएसडीएम का फास्ट-ट्रैक औद्योगिक विकास का रास्त खुला है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग एवं रोजगार पैदा करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।''

सैमसंग का खुलासा

60 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता एआई के बड़े बदलाव लाने वाली क्षमता को पहचानते हैं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग का कहना है कि भारत में ग्राहकों का एक बड़ा तबका अब एआई पावर्ड डिजिटल उपकरणों को खरीदना चाहता है। सैमसंग इंडिया द्वारा किये गये एक शोध में यह जानकारी मिली है। इसके अनुसार, 60% भारतीय ग्राहक डिजिटल उपकरणों में एआई की बदलाव लाने वाली ताकत को पहचानते हैं, जोकि ग्राहकों को स्मार्ट होम का अनुभव देती है। सैमसंग इंडिया द्वारा किए गए शोध के अनुसार, 47% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे एआई-इनेबल्ड फीचर्स चाहते हैं, जो ग्रॉसरी को फिर से भरने के बारे में अलर्ट और रेसिपी की सिफारिश जैसे रोजमर्रा के काम को पूरा करने में मदद करते हैं। एक और दिलचस्प ट्रेंड सामने आया है कि मिलेनियल्स ने एआई-इनेबल्ड डिजिटल उपकरणों को लेकर ज्यादा उत्साह दिखाया है; वहीं सर्वे में शामिल सभी लोगों में से लगभग 50% ने एआई- पावर्ड डिजिटल उपकरण खरीदने की इच्छा जाहिर की। मिलेनियल्स ने यह भी खुलासा किया कि वे चाहते हैं कि एआई उनके जीवन के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए रियल-लाइफ के ज्यादा ऐप्लिकेशंस लेकर आए। एसआरआई-बेंगलुरू के प्रबंध निदेशक दीपेश शाह ने कहा, यह हमारे स्मार्ट उपकरणों के लिए अपनी जरूरतों को समझने और उन्हें अपने काम में शामिल करने एवं स्टाइल में लाने का समय है। बीस्पोक एआई उपभोक्ताओं के जीवन में वॉशिंग मशीन सहित डिजिटल उपकरणों में ऊर्जा की बचत जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान करेगा, और उपभोक्ता बिना किसी परेशानी के कपड़ों की धुलाई कर सकते हैं।

रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचा देश का फॉरेक्स रिजर्व, एक हफ्ते में 8 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 7.53 अरब डॉलर बढ़कर 674.91 अरब डॉलर की नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. इससे पहले 26 जुलाई को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.47 अरब डॉलर घटकर 667.38 अरब डॉलर रह गया था। वहीं 18 जुलाई को यह 670.85 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, दो अगस्त को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.16 अरब डॉलर बढ़कर 592.03 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का

प्रभाव शामिल होता है।

गोल्ड रिजर्व

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 2.40 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 60.09 अरब डॉलर हो गया. रिजर्व बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट्स (एसडीआर) 4.1 करोड़ डॉलर घटकर 18.16 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.62 अरब डॉलर हो गई।

निवेशकों की वेल्थ बढ़ी

स्थानीय शेयर बाजार बीएसई में शुक्रवार को तेजी लौटने से निवेशकों को 4.46 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ. 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 819.69 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,705.91 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और कारोबार के दौरान एक समय 1,098.02 अंक तक चढ़ गया था। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा. इस तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4,46,308.99 करोड़ रुपये बढ़कर 4,50,21,816.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

हेजिंग रणनीतियों के बिना ऑप्शन में उतरने वाले 97.8% व्यापारियों को गंवाना पड़ा पैसा

सैमको सिक्योरिटीज के ऑप्शन बी.आर.ओ.: खुदरा निवेशकों के लिए विकल्प ट्रेडिंग को सरल बनाएगा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

अग्रणी निवेश-तकनीकी कंपनी सैमको सिक्योरिटीज ने खुलासा किया है कि हेजिंग रणनीतियों के बिना ऑप्शन में उतरने वाले 97.8% ट्रेडर्स को पैसा खोना पड़ा। इस समस्या का समाधान करने के लिए सैमको सिक्योरिटीज ने ऑप्शन बी.आर.ओ. विकसित किया है, जो एक अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म है जो खुदरा ऑप्शन ट्रेडर्स को अभूतपूर्व एफिसिएंशी और सटीकता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ऑप्शन बी.आर.ओ. ट्रेडर्स को अधिक सटीकता और सफलता के साथ ऑप्शन ट्रेडिंग की जटिलताओं से निपटने में मदद करने के लिए एक मजबूत समाधान प्रदान करता है।

ऑप्शन बी.आर.ओ. का अर्थ है बिल्ड, रिसर्च, ऑप्टिमाइज़। यह व्यापारियों को उनकी ट्रेडिंग रणनीतियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक शक्तिशाली समाधान प्रदान करता है। 1000 से अधिक रणनीति संयोजनों की पेशकश करके, यह प्लेटफॉर्म यूजर्स को आसानी से जटिल डेटा का विश्लेषण करने और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए रणनीतियों को तैयार करने की अनुमति देता है। ऑप्शन बी.आर.ओ. 1.5 लाख से अधिक गणितीय गणनाएं करता है। 2000 से अधिक ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट का मूल्यांकन करता है, और केवल एक सेकंड में 1000 से अधिक रणनीतियों का आकलन करता है, जिससे त्वरित और सूचित निर्णय लेना सुनिश्चित होता है।

सैमको ग्रुप के संस्थापक और सीईओ जिमीत मोदी ने कहा, 'ऑप्शंस ट्रेडिंग अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण और डराने वाली हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए जो अभी शुरुआत कर रहे हैं। ऑप्शंस बी.आर.ओ. के साथ, हमारा लक्ष्य प्रक्रिया को सरल बनाना और ट्रेडर्स को जरूरी उपकरण और उनके व्यापार का अनदेखा सच प्रदान करना है जो उन्हें ऑप्शन ट्रेडिंग की जटिलताओं से निपटने और आत्मविश्वास के साथ ट्रेड करने में मदद करते हैं।''

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभागायुक्त कार्यालय में किया ध्वजारोहण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संभागायुक्त कार्यालय में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्रीमती जमुना भिड़े तथा संयुक्त आयुक्त श्रीमती शैली कनाश और श्री संजय सराफ सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। इसी तरह संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने रेसीडेंसी क्लब में भी ध्वजारोहण किया।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में किया ध्वजारोहण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जिले में स्वतंत्रता दिवस पूर्ण उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अशासकीय, शासकीय, सार्वजनिक भवनों और कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किये गये। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्रीमती सपना लोवंशी, श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर तथा श्री राजेंद्र रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

आईटी सेक्टर में इंदौर को मिली बड़ी उपलब्धि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के कार्यालय का किया शुभारंभ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आईटी सेक्टर में इंदौर को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के कार्यालय का इंदौर में शुभारंभ किया। लगभग 500 की संख्या में आईटी प्रोफेशनल्स को यहां रोजगार मिला है। उदघाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 21वीं सदी बौद्धिक युग का दौर है। कॉग्निजेंट कंपनी के आगमन से मध्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा 18 एवं 19 वीं सदी खाद्य और कपास से आर्थिक विकास से जुडी थी। 20 वीं सदी पेट्रोकेमिकल से आर्थिक विकास का युग रहा। आज का दौर बौद्धिक दौर का युग है। दुनिया भारत के ज्ञान को मानती है। आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के इंदौर में आगमन से रोजगार के नये अवसर विकसित होंगे। उन्होंने कहा प्रदेश में आई टी कंपनियों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार सदैव तत्पर है। ये हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि कॉग्निजेंट ने अपने नए केंद्र के शुभारंभ के लिए इंदौर को चुना है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे जाहिर होता है कि इंदौर अपने बढ़ते

इन्फ्रास्ट्रक्चर और कुशल एवं प्रतिभाशाली लोगों की मौजूदगी की वजह से दुनिया भर की टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए बड़ी तेजी से पसंदीदा स्थान के रूप में उभर रहा है। हम लगातार अपना सहयोग देने, व्यवसायों के लिए नए-नए अवसर पैदा करने और एक ऐसा माहौल बनाने के इरादे पर अटल हैं, जहाँ इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी का लगातार विकास हो, जो हमारे राज्य को देश के अगले डिजिटल केंद्र के रूप में आगे बढ़ाते हुए हमारे युवाओं के लिए अवसर पैदा करे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के नवीन कार्यालय का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री आशीष ?सिंह सहित गणमान्यजन, कॉग्निजेंट के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

सैमसंग भारत के लिए बनी एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन लॉन्च करेगा

आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज भारतीय बाजार के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई अपनी नई एआई-पावर्ड वाशिंग मशीन को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस नए लॉन्च के साथ, सैमसंग भारतीय उपभोक्ताओं के कपड़े धोने का अनुभव पूरी तरह से बदल देगा और इसे और भी आसान बना देगा। नई, एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन में रोजाना की जरूरतों को पूरा करने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी दी गई है, जो कपड़े धोने की प्रक्रिया को बेहद आसान और सुविधाजनक बनाएगी। यह मशीन ग्राहकों को कपड़े धोने का शानदार अनुभव देगी और यह उन्हें 'कम मेहनत करने और अधिक जीने' (डू लेस एंड लिव मोर) के सैमसंग के नजरिये से मेल खाती है। सैमसंग के पास 1974 से वॉशिंग मशीनों में नए-नए आविष्कार करने की एक शानदार विरासत है, जब कंपनी ने अपनी पहली वॉशिंग मशीन लॉन्च की थी। 1979 में, सैमसंग ने अपनी पहली ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन पेश की, जिसने एक ही टच से कपड़े धोने और निचोड़ने का काम किया, जिससे कपड़े धोना बहुत आसान हो गया। 1997 में, सैमसंग ने फ्रंट-लोडिंग वॉशिंग मशीन लॉन्च की, जिसने कपड़े धोते समय उनके नुकसान को कम किया और उच्च तापमान पर कपड़े धोने की क्षमता दी, जिससे कपड़ों की देखभाल का नया मानक स्थापित हुआ। वर्ष 2008 में, सैमसंग इकोबबल वॉशिंग मशीन लॉन्च कर कपड़े धोने की दुनिया में बड़ा बदलाव लेकर आया। यी पहली वॉशिंग मशीन थी जिसमें दमदार सफाई के लिए बबल टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया था। इसके बाद, 2014 में एक्टिव डुअलवॉश टेक्नोलॉजी को पेश किया गया, जिसने अपनी अनूठी वॉबल तकनीक और बिल्ट-इन सिंक के साथ उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ा दिया। इस वॉशिंग मशीन के आने से कपड़ों का प्री-ट्रीटमेंट पहले से कहीं अधिक आसान हो गया।

नए ENO 3-इन-1 में हैं ENO की शक्ति के साथ

प्राकृतिक तत्वों जैसे जीरा, अजवाइन और काला नमक के गुण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

हेलीऑन (तत्कालीन ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) द्वारा भारत के नंबर 1 ओटीसी एंटेसिड, ENO ने एसिडिटी से तेज़ और प्रभावशाली राहत के लिए ENO की शक्ति और असली जीरा, अजवाइन एवं काला नमक के गुणों के साथ नया 3-इन-1 वैरिएंट लॉन्च किया है। इन नए वैरिएंट्स में ENO की शक्ति के साथ विश्वसनीय प्राकृतिक तत्वों के गुण हैं, जो 3 बीमारियों - एसिडिटी, गैस और अपच से राहत प्रदान करते हैं। ENO भारत में एसिडिटी के विश्वसनीय समाधान के रूप में जाना जाता है। यह ग्राहकों के लिए अपने इनोवेटिव समाधानों के साथ बाजार का नेतृत्व करता आ रहा है। इसके हर साल एक अरब से ज्यादा पाउच बिकते हैं। ENO तेज़ी से और प्रभावशाली तरीके से राहत प्रदान करने के लिए मशहूर है। इसलिए यह भारत में ओवर-द-काउंटर एंटेसिड्स में सबसे ज्यादा पसंदीदा ब्रांड है।

पीढ़ियों से चले आ रहे पारंपरिक घरेलू नुस्खों में जमे विश्वास के साथ नए ˜ें 3-इन-1 में तीन विश्वसनीय शक्तिशाली प्राकृतिक तत्वों - जीरा, अजवाइन और काला नमक के गुण ताजगीभरे, स्वादिष्ट और प्राकृतिक स्वाद के साथ दिए गए हैं। इन 3 तत्वों की शक्ति मिलकर एसिडिटी, गैस की परेशानी और अपच जैसी पाचन की अनेक समस्याओं से आराम देती है।

इंदौर जिले में पूर्ण गरिमा, उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मुख्य समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया ध्वजारोहण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जिले में स्वतंत्रता दिवस आज देशभक्ति के जज्बे, जोश और जुनून के साथ मनाया गया। इंदौर के महेश गार्ड लाइन स्थित सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के मैदान में पूर्ण गरिमा, उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ आयोजित मुख्य समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में अपार उत्साह और उमंग के साथ राष्ट्रीय धुन के बीच जवानों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय महापर्व पर जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में भी ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई।

बच्चों ने दी देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

समारोह में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान शासकीय सीएम राईज स्कूल अहिल्या आश्रम क्रमांक- एक, श्री जी इंटरनेशनल तथा गरिमा विद्या मंदिर के विद्यार्थी देश भक्ति तथा लोकगीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दीं। परेड में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दलों को भी पुरस्कृत किया गया। परेड के 'अ' वर्ग में प्रथम स्थान बीएसएफ और द्वितीय स्थान प्रथम वाहिनी को दिया गया। 'ब' वर्ग में प्रथम स्थान जिला यातायात को और द्वितीय स्थान एनसीसी को प्राप्त हुआ। इसी तरह 'स' वर्ग में प्रथम बीएसएफ और द्वितीय प्रथम वाहिनी बैंड को दिया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने स्कूलों को पुरस्कृत किया गया। शासकीय सीएम राईज स्कूल अहिल्या आश्रम क्रमांक- एक को प्रथम, गरिमा विद्या मंदिर को द्वितीय तथा श्री जी इंटरनेशनल स्कूल को तृतीय स्थान मिला। समारोह में जिले में वर्षभर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

मंत्री जी ने किया खुली जीप से परेड का निरीक्षण

मुख्य समारोह में मंत्री श्री विजयवर्गीय ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ कलेक्टर श्री आशीष सिंह तथा पुलिस आयुक्त श्री राकेश गुप्ता भी थे। समारोह में मंत्री श्री विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया। समारोह में सशस्त्र बलों ने स्वतंत्रता दिवस अमर रहे के नारों के बीच हर्ष फायर किये। खुले आकाश में रंगीन गुब्बारे छोड़े गये।

14 दलों ने प्रस्तुत की आकर्षक परेड

समारोह में 14 दलों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। इनमें सीमा सुरक्षाबल, आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी, 15वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल(पुरूष), जिला पुलिस बल (महिला), नगर सेना, यातायात पुलिस, एनसीसी (महिला), स्काउट, गाईड, आरआई ग्रुप, सृजन दल, शौर्या दल शामिल हैं। परेड का नेतृत्व आईपीएस श्री कृष्ण लालचंदानी ने किया। उनका अनुकरण टूआईसी सूबेदार श्री काजिम रिजवी ने किया। समारोह में प्रथम वाहिनी का बैंड भी आकर्षण का केन्द्र रहा।

साउथ कोरिया के दल ने भी देखा इंदौर का स्वतंत्रता दिवस समारोह

मध्यप्रदेश के भ्रमण पर आया साउथ कोरिया का दल इंदौर पहुंचा। दल के सदस्य आज महेश गार्ड लाईन पहुंचे। उन्होंने यहां आयोजित स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह को देखा। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया और भारत की ज्वाइंट वेंचर कंपनी मरकबा ईसीडीएस का उक्त प्रतिनिधि मंडल प्रदेश में विभिन्न सेक्टरों में निवेश योजनाओं के संबंध में प्रदेश के भ्रमण पर आया हुआ है। मरकबा ईसीडीएस कम्पनी द्वारा प्रथम चरण में लगभग 20 प्रोजेक्टस में 2 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावित किए गए हैं, जिससे 25 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इंदौर आये इस प्रतिनिधि मंडल में सर्वश्री जोओंग जोंग चेओल, खवांग ओन रेह्यू, जूनव्ही जो, गेल खांग, जुनसंग ली और वोसिओक चंग और श्री राजेश भारद्वाज उपस्थित थे।

कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, विधायक श्री गोलू शुक्ला, पूर्व महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, अपर आयुक्त पुलिस श्री अमित सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

मंत्री श्री विजयवर्गीय पहुंचे शासकीय स्कूल के बच्चों के बीच

बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय आज स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होने के पश्चात शासकीय स्कूल के बच्चों के बीच पहुंचे। उन्होंने किला मैदान स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बेग, कम्पास और अन्य पठन-पाठन सामग्री वितरित की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, पार्षद श्री राहुल जायसवाल तथा श्री मनोज मिश्रा सहित अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद थे। बच्चों को आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यान्ह भोजन में विशेष रूप से खीर, पूरी, लड्डू, छोले की सब्जी आदि परोसे गए। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने इस अवसर पर कहा कि देश को बड़े संघर्ष के पश्चात स्वतंत्रता मिली है। अपने देश के स्वतंत्रता में बलिदानियों का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने बच्चों को कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों से भी जुड़ें। अपने माता-पिता तथा वरिष्ठों का हमेशा सम्मान करें। माता-पिता की पूजा ईश्वर की पूजा के समान है।

हाईकोर्ट में ध्वजारोहण

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ परिसर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज प्रशासनिक न्यायाधीश जस्टिस श्री एस.ए. धर्माधिकारी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के न्यायाधीशगण सहित अधिकारीगण और अधिवक्तागण मौजूद थे।

जिसके माथे सजा हिमालय है, जहां पाप मिटाती पावन गंगा है, जहां अनेकता में एकता है, जिसकी रीत में सत्यमेव जयते का जयकारा है, वह भारत देश हमारा है

राजकुमार जैन
स्वतंत्र लेखक
एवं विचारक

इस 15 अगस्त को औपनिवेशिक शासन से अपनी स्वतंत्रता की 78 वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया जाएगा. भारत देश 200 वर्षों तक ब्रिटिशों के अधीन था, इस गुलामी से मुक्ति पाने के लिए लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दी थी. 15 अगस्त 1947 के एतिहासिक दिन हम भारतीयों ने ब्रितानी राज से स्वतंत्रता हासिल करने के साथ ही अपनी नियति का निर्माण स्वयं करने की स्वतंत्रता भी प्राप्त की थी . आजादी मिलने और अपने स्वतंत्र संविधान को अपनाने के बाद, इस देश ने अनेक आर्थिक, सामाजिक, और राजनीतिक निर्णय लिए और देश विकास की राह पर चलने लगा. स्वतंत्रता दिवस 2024 की थीम 'विकसित भारत' है, जो देश को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के दृष्टिकोण के अनुरूप है. यह थीम इस बात पर जोर देती है कि भारत अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेगा.

आज 77 सालों बाद पीछे मुड़कर देखने पर अपनी प्रगति देखकर हम गर्व के साथ रोमांचित भी हो जाते हैं. आज हमारा आजाद देश विज्ञान, खगोल विज्ञान, कृषि, चिकित्सा, सूचना प्रोद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, खेल, आर्थिक, कला व वास्तुकला के क्षेत्र में बड़ी ऊंचाईयों को छू रहा है. देश लगातर प्रगति कर रहा है. दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से लेकर प्रौद्योगिकी, नवाचार और संस्कृति का केंद्र बनने तक हमने अविश्वसनीय प्रगति की है

किसी भी देश के विकास में शिक्षित नागरिकों का सबसे बड़ा योगदान होता है इस क्षेत्र में हमने उल्लेखनीय प्रगति की है साक्षरता दर 12% से बढ़कर 77% हो गई हैं. देश में स्कूलों की संख्या एक लाख 40 हजार से बढ़कर 15 लाख हो गई है, शिक्षा और ज्ञान के केंद्र विश्वविद्यालयों की संख्या 1265 हो गई हैं. नए भारत में कॉलेजों की संख्या 50,734 तक पहुँच गई है.

स्वस्थ जनसंख्या किसी भी विकसित राष्ट्र की आधारशिला होती है और स्वस्थ नागरिक एक मजबूत देश का निर्माण करते हैं, महज 9 मेडिकल कॉलेज से शुरू हुआ सफर 731 कॉलेज तक पहुँच चुका है जहां हर साल 1 लाख से भी अधिक छात्र डॉक्टर बनाने के लिए प्रवेश लेते हैं. 69000 अस्पताल और 13 लाख डॉक्टर्स की मौजदगी के चलते मातृत्व मृत्यु दर 2000 से घटकर मात्र 103 रह गई है इसके साथ ही शिशु मृत्यु दर प्रति एक हजार में 150 से घटकर 27.6 हो गई है.

आज देश में 599 राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ 67 लाख किलोमीटर तक फैला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़कों का जाल मौजूद है, जो आर्थिक विकास में महती योगदान देता है. आज़ादी के बाद भारतीय रेल देश के विकास के लिए आधुनिक तकनीक से साथ कदम से कदम मिलाकर चलती रही है. आज हमारे रेल नेटवर्क की लंबाई 1.26 लाख किलोमीटर से ज़्यादा है. इसी तरह हवाई उड़ान सेवा किसी भी विकासशील देश की परिवहन सेवा का एक अहम हिस्सा होता है और देश की तरक्की का अभिन्न अंग भी. आज़ादी के समय यह सेवा महज नौ कम्पनीयों द्वारा देश चुनिंदा लोगों को ही उपलब्ध कारवाई जाती थी और आज देश में 39 एयर ट्रांसपोर्ट कंपनियां हैं जो 148 हवाई अड्डों से संचालित 700 से ज्यादा विमानों द्वारा 376.43 मिलियन लोगों को अपनी सेवाये प्रदाय करती हैं.

बिजली का दर्जा जीवन रेखा की तरह समझा जाता है, विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में तीव्रता से काम करते हुए हमारी क्षमता 1,362 मेगावाट से बढ़कर 400,000 मेगावाट तक पहुंच गई है, जिसके चलते आज 6 लाख से अधिक गांव बिजली से रौशन हैं.

अंतरिक्ष में अपनी धाक जमाने का पहला प्रयास 21 नवंबर 1963 को केरल के तिरुवंतपुरम के पास थुंबा में हुआ था . तब राकेट को प्रक्षेपण स्टेशन तक साइकिल से ले जाया गया था. उस समय अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों के पास अपना कोई कार्यालय तक नहीं था, और आज हमने चंद्रयान-3 लॉन्च करके चाँद पर पहुंचने वाले चौथे देश की उपाधि हासिल कर ली है.

किसी भी देश के द्वारा किया जाने वाले निर्यात, देश की वित्तीय और आर्थिक साख को तय करने में अहम भूमिका निभाता है. भारत के निर्यात दर की बात करें तो साल 1950-51 की 1.27 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में यह 776.68 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है.

तकनीक के मामले में भी देश ने शानदार कामयाबियां हासिल की हैं. 1986 में भारत में इंटरनेट आया, उस दौर में यह केवल शिक्षा और अनुसंधान के लिए ही उपलब्ध था. लेकिन आज देश में 954.40 मिलियन लोग इंटरनेट के ग्राहक हैं, जिनमें से 398.35 मिलियन ग्रामीण क्षेत्रों में हैं.

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे का मानना है कि अगले एक दशक में भारत की इकॉनमी 3 ट्रिलियन डॉलर से 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी. विकसित भारत का संकल्प चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह असंभव नहीं है तो आसान भी नहीं है. विकसित देश बनने की राह में भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. सतत प्रगति के लिए कुशल शासन महत्वपूर्ण है. प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, लालफीताशाही को कम करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना चिरस्थायी चुनौतियाँ हैं. विशाल जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी चुनौती है जो संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है. विभिन्न वर्गों के मध्य आय असमानताएँ बनी हुई हैं. सामाजिक न्याय को बढ़ावा देकर अलग थलग पड़े समुदायों के उत्थान के लिए समान अवसर प्रदान करने की जरूरत है. ग्रामीण क्षेत्र अभी भी अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुँच और स्वास्थ्य सेवा असमानताओं से जूझ रहे हैं. कुपोषण से लेकर गैर-संचारी रोगों तक की स्वास्थ्य चुनौतियां सामने हैं . स्नातकों और कामगारों द्वारा अर्जित कौशल और उद्योगों की मांग के बीच अंतर है, जो आर्थिक उत्पादकता और नवाचार में बाधा उत्पन्न कर सकता है. हालांकि भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. परिवहन नेटवर्क का आधुनिकीकरण, सड़कों, रेलवे और हाई-स्पीड इंटरनेट में निवेश ज़रूरी है. भारत को कृषि क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है, जैसे कि विवादास्पद कृषि कानून. मादक पदार्थों की आतंकवादियों अथवा विद्रोही गुटों द्वारा की जाने वाली अवैध तस्कारी यानि नार्को आतंकवाद, ने लंबे समय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष एक चुनौती पेश की है. सुरक्षा एजेंसियां इस चुनौती से निपटने की कोशिश कर रही हैं. इसके अलावा, पर्यावरण और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से स्थिरता बहुत महत्वपूर्ण है. विकास और पारिस्थितिकी जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाना एक कठिन काम है. भारत को स्वच्छ ऊर्जा समाधान, कुशल अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु-सचेत नीतियों को अपनाने में अग्रणी होना चाहिए.

देश को विकसित भारत बनाने के लिए कई और महत्वपूर्ण सेवाओं और सुविधाओं की जरूरत होगी. देश में प्रत्येक नागरिक के पास गुणवत्तापूर्ण आवास, 24 घंटे शुद्ध पेयजल, शुद्ध हवा और गुणवत्ता पूर्ण बिजली आपूर्ति, हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और बैंकिंग सुविधाओं सहित उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच जरूरी होगी. देश में एआई सक्षम चिकित्सा, शिक्षा और कृषि जैसी उन्नत तकनीकों सहित सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होना जरूरी है.

इन घरेलू समस्याओं के साथ सीमा पर भी अस्थिर पड़ोसियों के चलते चौतरफा बढ़ रही हैं सुरक्षा चुनौतियां. नेपाल में चीन समर्थक सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद का मुद्दा शांत नहीं होने दिया है. बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद भारत के लिए असाधारण स्थिति है, बांग्लादेश में फंसे हजारों भारतीयों की सुरक्षा के साथ इस बात को भी सुनिश्चित करना है कि कोई अनधिकृत रूप से सीमा पार कर भारत में प्रवेश न कर सके. इससे बांग्लादेश की सीमा से सटे बंगाल और त्रिपुरा जैसे राज्यों में चिंताजनक हालात पैदा हो सकते हैं. पूर्वी पड़ोसी देश म्यांमार में भी विभिन्न विद्रोही समूह सैन्य शासन को कमजोर करने में सफल हो गए हैं. दबावपूर्ण और अनिश्चित राजनीतिक घटनाक्रम के चलते वहाँ अशांति और राजनीतिक अस्थिरता का सिलसिला कायम है. यदि बांग्लादेश और म्यांमार की तानाशाही ताकतें चीन या पाकिस्तान जैसे देशों के प्रभाव में आकर भारत के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर सकती हैं . उधर म्यांमार में भी आर्थिक एवं राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी हुई है. हमारे और एक पड़ोसी श्रीलंका में अभी भी भारत विरोधी तत्व सक्रिय हैं. मालदीव भी इस मामले में अलग नहीं, जहां राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू लगातार भारत विरोध में लगे हुए हैं. पश्चिमी सीमा क्षेत्र में पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सुरक्षा हालात पहले से ही भारत के लिए मुसीबत बने हुए हैं. भारत इन सभी देशों की सीमाओं से जुड़े होने के कारण एक प्रतिकूल स्थिति का सामना कर रहा है, जो आने वाले दिनों में सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं. दक्षिण एशिया में जैसी असामान्य परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, उनका सामना करने के लिए भारत को हर कीमत पर अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है और दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों और क्षेत्र में मौजूद समान विचारधारा वाली शक्तियों जैसे अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ मिलकर पाकिस्तान और चीन पर दबाव बनाना होगा, ताकि ये दोनों देश दक्षिण एशिया की अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत को कमजोर करने अपने घृणित मंसूबों से बाज आए .

स्वतंत्र भारत में नाम, जाति, धर्म, स्थान से परे हम सब भारतवासियों की एक ही पहचान है 'भारत का नागरिक होना' . जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें अपनी संस्कृति, अपनी भाषाओं, अपनी परंपराओं और अपने मूल्यों की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना भी याद रखना चाहिए. विविधता में हमारी एकता ही हमें अद्वितीय बनाती है, और यही एकता हमें एक उज्जवल भविष्य की ओर ले जाएगी. इस 15 अगस्त को जरूरत है उसी सकारात्मक बदलाव का जश्न मनाने की. हमें यह याद रखना है कि स्वतंत्रता दिवस इतिहास में दर्ज सिर्फ़ एक तारीख भर नहीं है, बल्कि एक बार स्वतंत्रता प्राप्त हो जाने के बाद, उसे पोषित, संरक्षित और संजोकर रखना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है. आइए आज हम इस महान राष्ट्र के पथप्रदर्शक बनने, इसके मूल्यों को बनाए रखने और इसकी प्रगति के लिए एक देशभक्त नागरिक के रूप में अथक और ईमानदार प्रयास करने का संकल्प लें.

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व, 19 अगस्त को

बहनें बहुत ही शुभ संयोग के बीच अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर ,उनके दीर्घायु की करेंगी प्रार्थना

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

रक्षाबंधन को भाई-बहन के पावन रिश्ते के सबसे शुभ पर्व के रूप में मनाते हैं। हर साल सावन पूर्णिमा पर रक्षाबंधन मनाया जाता है। इस साल रक्षाबंधन 19 अगस्त यानी कि सावन के आखिरी सोमवार को है। इसके अलावा रक्षाबंधन पर 5 बेहद शुभ योग एक साथ बन रहे हैं, जो कि इस त्योहार की शुभता को और बढ़ा रहे हैं। इस संदर्भ में प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य ने बताया की यह त्योहार, हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है और इस साल यह तिथि 19 अगस्त को है। यानी कि भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व 19 अगस्त को मनाया जाएगा। सावन के आखिरी सोमवार को इस बार रक्षाबंधन होने से इसका महत्व और बढ़ गया है। अबकी बार श्रावण मास की पूर्णिमा पर एक साथ 5 शुभ योग बने हैं। यानी कि बहनें बहुत ही शुभ संयोग के बीच अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके दीर्घायु की प्रार्थना करेंगी।

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक़ इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा भी की जाती है, क्योंकि इस दिन पूर्णिमा होने की वजह से यह तिथि महालक्ष्मी की पूजा से जुड़ी मानी जाती है।रक्षाबंधन पर बने हैं 5 शुभ योग एक साथ,

रक्षाबंधन अबकी बार सावन के आखिरी सोमवार को है। इसके अलावा इस शुभ दिन 4 शुभ योग एक साथ मौजूद होंगे। इस बार का रक्षाबंधन सर्वार्थ सिद्धि योग, शोभन योग, रवि योग और सौभाग्य योग के बीच में मनाया जाएगा। इसके साथ ही इस दिन श्रवण नक्षत्र का भी अद्भुत संयोग बन रहा है। हालांकि इस दिन भद्रा का साया भी रहेगा। हालांकि इस बार की भद्रा बता रहे हैं पाताल लोक में रहेंगी। इसलिए भद्रा का अशुभ प्रभाव मान्य नहीं होगा।

ज्योतिषाचार्य ने बताया की, रक्षाबंधन के दिन , भद्रा का साया रहेगा । लेकिन इस बार भद्रा का वास पाताल में रहेगा इसलिए उसका असर नहीं रहेगा और राखी बांध सकते हैं । लेकिन राखी बांधने का सबसे शुभ मुहूर्त दोपहर 01:28 से 04:01 बजे , सायंकाल 06:37 से 08:50 बजे तक राखी बांध सकते हैं ।

धन, संपदा और समृद्धि को आकर्षित करने के लिए अपनाएं ये वास्तु टिप्स

पं. श्री रमेशचंद व्यास
(चैनपुरा वाले)
ज्योतिषयाचार्य एवं
रत्न विशेषज्ञ
मो. 9826345104

वास्तु शास्त्र, डिजाइन और वास्तुकला का एक प्राचीन विज्ञान है, जो आपके जीवन में अधिक धन और सफलता लाने में मदद कर सकता है। धन महत्वपूर्ण है, और वास्तु आचार्य छाया गोयल जी का मानना है कि वित्तीय समृद्धि पाने के लिए, आपको अपने रहने की जगह में प्रकृति के पाँच तत्वों को सामंजस्य में रखना होगा। ये पाँच तत्व अग्नि, जल, पृथ्वी, वायु और अंतरिक्ष हैं। जब ये तत्व आपके आस-पास संतुलित होते हैं, तो यह आपके जीवन को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन अगर वे संतुलन से बाहर हैं, तो यह समस्याएँ पैदा कर सकता है। वास्तु सिद्धांतों का पालन करके और यह सुनिश्चित करके कि ये तत्व सामंजस्य में हैं, आप अपने जीवन में धन और समृद्धि को आमंत्रित कर सकते हैं। वास्तु शास्त्र के सरल सिद्धांतों का पालन करके लोग अपनी जीवनशैली, वित्तीय स्थिरता, सद्भाव और सफलता में सकारात्मक सुधार कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

घर में धन प्रवाह बढ़ाने के लिए 9 वास्तु टिप्सः

वास्तु एक विज्ञान है जो यह सुनिश्चित करता है कि किसी विशेष स्थान की ऊर्जा उस स्थान के उद्देश्य के साथ तालमेल में हो। वास्तु संतुलित स्थान निश्चित रूप से सकारात्मकता को आकर्षित करता है जो मौद्रिक लाभ का एक आदर्श प्रवाह बनाता है। ऊर्जा को अपने लिए प्रचुरता लाने दें। नीचे दी गई सलाह का पालन करें:

सफेद गुल्लक या गुल्लक को उत्तर दिशा की ओर मुख करके रखें। यदि संभव हो तो नीले कमल का चित्र लगाएं। नियमित रूप से पैसा निवेश करें और एक दिनचर्या बनाएं। यह आपके जीवन में अधिक धन को आकर्षित करेगा।

तांबे का स्वस्तिक अपने घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। इससे धन आगमन में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी और आपको अच्छा धन लाभ होगा।

सुनिश्चित करें कि उत्तर, पश्चिम या दक्षिण-पूर्व में कोई कूड़ेदान या कचरा न हो। यदि ऐसा है तो उसका स्थान कहीं और बनाएं और दृष्टि से दूर रखें। कचरा हमारे दिमाग से सकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है और बदले में हमारे जीवन के वित्तीय पहलुओं को बर्बाद कर देता है।

नीले रंग के शेड्स आंखों के लिए सुखदायक होते हैं, लेकिन दक्षिण-पूर्व दिशा में नीला रंग आर्थिक नुकसान का कारण बनता है। यदि दक्षिण-पूर्व दिशा में किसी भी रूप में नीला रंग है, चाहे वह दीवार का पेंट/वॉलपेपर/पेंटिंग/कलाकृति हो, और आपको आर्थिक तंगी की चिंता होने लगी है, तो जल्द से जल्द उस रंग को उस दिशा के अनुकूल रंग से बदल लें।

सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज़, कीमती नकदी और आभूषण घर के पश्चिमी भाग में रखने की सलाह दी जाती है। एक तिजोरी या कैबिनेट जहां महत्वपूर्ण दस्तावेज और गहने रखे जाते हैं, सफेद या पीले रंग का होना चाहिए। सभी वित्तीय दस्तावेज, नकदी या मौद्रिक वस्तुएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से हटा दें। इस दिशा में सामान रखने से आर्थिक नुकसान होता है। वित्तीय रिकॉर्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को पूर्व और दक्षिण पूर्व के बीच कुछ दिशाओं में रखने से बचना चाहिए।

वास्तु शास्त्र में अक्सर यह उल्लेख किया गया है कि एक सरल, व्यवस्थित और साफ-सुथरा घर सकारात्मक ऊर्जा के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करता है। घर में प्रवाहित होने वाली ऊर्जा इस बात के लिए जिम्मेदार है कि आप अपने रिश्तों, अपने स्वास्थ्य और अपने पैसे का प्रबंधन कैसे करते हैं। इसलिए सुनिश्चित करें कि न केवल केंद्रीय कक्ष, बल्कि आपका पारिवारिक कक्ष, रसोई, बालकनी, छत, खिड़कियां और प्रवेश द्वार, अतिरिक्त कमरे और रसोई भी साफ और व्यवस्थित हों।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई, शौचालय और बगीचे में पानी का रिसाव आश्चर्यजनक रूप से आर्थिक हानि और वित्तीय विफलता का कारण बनता है। विशेष रूप से जब बारिश होती है, तो यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि छतों, दीवारों या बंद पाइपों से पानी के रिसाव को तुरंत ठीक किया जाए क्योंकि इससे बड़े वित्तीय झटके लग सकते हैं।

नवग्रहों की शांति के उपाय लाते हैं जीवन में सुख और समृद्धि

पंडित कपिल पाराशर
ज्योतिष आचार्य
वास्तु विशेषज्ञ
6261493070

नवग्रहों का मानव जीवन पर गहरा प्रभाव होता है। ये ग्रह हमारे भाग्य, स्वास्थ्य और समृद्धि को प्रभावित करते हैं। जब इन ग्रहों की स्थिति हमारे पक्ष में नहीं होती, तो जीवन में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ज्योतिष में नवग्रह की शांति के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय बताए गए हैं।

ग्रहों की पूजा और आराधना

ग्रहों की शांति के लिए उनकी पूजा और आराधना करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर ग्रह की विशेष पूजा विधि होती है।

सूर्य- सूर्य देवता की पूजा के लिए रोज सुबह सूरज की किरणों को जल अर्पित करें और सूर्य मंत्र 'ॐ सूर्याय नमः' का जाप करें एवं लाल वस्त्र, गुड़, और तांबे की वस्तुएं दान करें।

चंद्रमा-चंद्रमा की पूजा के लिए सोमवार के दिन शिवजी पर कच्चा दूध चढ़ाएं एवं 'ॐ चन्द्रमसे नमः' मंत्र का जाप करें। चंद्रमा की प्रसन्नता के लिए चांदी, दूध और सफेद वस्त्र दान करें।

मंगल- मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करें और 'ॐ अंगारकाय नमः' मंत्र का जाप करें। लाल चादर, मसूर की दाल, और लाल वस्त्र दान करें।

बुध- बुध ग्रह की शांति के लिए बुधवार को हरे वस्त्र पहनें और 'ॐ बुधाय नमः' मंत्र का जाप करें।हरे वस्त्र, हरी दाल, और पन्ना दान करें।

बृहस्पति- बृहस्पति की शांति के लिए गुरुवार को पीले रंग के वस्त्र पहनें और 'ॐ बृहस्पतये नमः' मंत्र का जाप करें। पीले वस्त्र, चने की दाल, और पीली मिठाई दान करें।

शुक्र- शुक्र ग्रह की शांति के लिए शुक्रवार देवी के मंदिर में प्रणाम कर दीपक जलाएं और 'ॐ शुक्राय नमः' मंत्र का जाप करें।सफेद वस्त्र, दूध, और मोती दान करें।

शनि- शनिवार को शनि देव की पूजा करें और 'ॐ शनैश्चराय नमः' मंत्र का जाप करें। काले तिल, तेल और लोहे की वस्तुओं का दान करें।

राहु- राहु के लिए शनिवार को काले तिल और काले वस्त्र दान करें और 'ॐ राहवे नमः' मंत्र का जाप करें।

केतु- केतु के लिए शनिवार को काले वस्त्र पहनें और 'ॐ केतवे नमः' मंत्र का जाप करें।

शनिदेव साल 2025 में करेंगे राशि परिवर्तन, इन राशियों को मिलेंगी अपार सफलताएं

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले और कर्मफलदाता शनि अगले साल राशि परिवर्तन करेंगे। शनि ग्रह को सभी ग्रहों में सबसे ज्यादा क्रूर ग्रह माना गया है। यहां क्रूर ग्रह से मतलब यह कि शनि शुभ फल उन्हीं जातकों को प्रदान करते हैं जो कड़ी मेहनत करते हैं और गरीबों का विशेष ध्यान रखते हैं। शनि किसी एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते हैं। इस तरह से शनि के किसी एक राशि में काफी लंबे समय तक रहने के कारण इनका प्रभाव हर एक राशि पर लंबे समय तक रहता है। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से हर एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में जरूर प्रभावित होता है। आपको बता दें कि शनि अभी इस समय अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान हैं। शनि इस राशि में साल 2025 तक रहेंगे। फिर इसके बाद अगली राशि में गोचर होंगे। ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक शनि 29 मार्च 2025 को मीन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। मीन राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। शनि इस राशि में 3 जून 2027 तक रहेंगे।

सिंह राशि

साल 2025 में शनि के राशि परिवर्तन करने का सबसे ज्यादा लाभ सिंह राशि के जातकों को मिलेगा। शनि का गुरु की राशि मीन में जाना सिंह राशि के जातकों के लिए अच्छा साबित हो सकता है। इस दौरान आपको कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। जो काम आपके लंबे समय से अटके हुए थे वे अब पूरे होंगे।

कन्या राशि

साल 2025 में शनि का मीन राशि में गोचर करना कन्या राशि के जातकों के लिए अच्छा रहेगा। आपके लिए लाभ के अच्छे मौके मिलेंगे। जो लोग नौकरीपेशा हैं उन्हे काफी लाभ मिल सकता है। नौकरी में प्रमोशन या फिर नई नौकरी के अच्छे मौके मिल सकते हैं। परिवार के सदस्यों का अच्छा सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। नए साल में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृश्चिक राशि

शनि का राशि परिवर्तन वृश्चिक राशि के जातकों के लिए शुभ साबित हो सकता है। शनि का मीन राशि में गोचर करने से आपके व्यक्तित्व में निखार देखने को मिल सकता है। धन लाभ के अच्छे संकेत हैं।

युवा शक्ति, नारी सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और किसान कल्याण मिशन प्रदेश के स्थापना दिवस से होंगे आरम्भ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 78वें स्वतंत्रता दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारत माता को स्वतंत्र कराने के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले वीरों, राष्ट्रभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों का पुण्य-स्मरण करने का दिन है। प्रशासन जनोन्मुखी हो, नागरिक विकास और सामाजिक सद्भाव में भागीदार बनें, गरीबों के कल्याण की योजनाएं अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे ऐसी पुख्ता व्यवस्था करने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनने के सफर को तय कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्पों की सिद्धि में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाल परेड ग्राउण्ड भोपाल पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेशवासियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने ली परेड की सलामीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर लाल परेड ग्राउण्ड में ध्वजारोहण के बाद निरीक्षण वाहन से परेड का अवलोकन कर सलामी ली। परेड के सशस्त्र दलों ने तीन चरणों में हर्ष फायर किया। पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान जन-गण-मन की धुन के साथ अन्य देशभक्ति के गीतों की धूनें प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदक अलंकरण समारोह में पुलिस अधिकारी और कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा, सराहनीय सेवा और वीरता के लिए सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मिशन मोड में होंगे कार्य : बन रहे है 4 मिशनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के विकास में 4 वर्गों यथा युवा, महिला, किसान और गरीब को आधार स्तम्भ के रूप में परिभाषित किया है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर चार मिशन, युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर काम करने जा रही है। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस आगामी एक नवम्बर से यह मिशन अपना काम प्रारंभ करेंगे। युवा शक्ति मिशन में शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार, उद्यमिता, नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास की कार्य योजना तैयार कर मिशन मोड में कार्य किया जाएगा। गरीब कल्याण मिशन में स्व-रोज़गार योजनाएँ, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा आदि की दिशा में कार्य करेगा। नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत बालिका शिक्षा, लाड़ली, लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण आदि कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किए जाएंगे। किसान कल्याण मिशन में सरकार कृषि एवं उद्यानिकी को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में कार्य करेगी। किसानों को राहत प्रदान करने के साथ एवं कृषि की पैदावार बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे।

पूँजीगत व्यय में हुई 29 प्रतिशत की वृद्धिः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का बजट अगले पांच वर्ष में दो गुना करने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूँजीगत व्यय 60 हजार 689 करोड़ रुपये किया गया। वर्ष 2022-23 की तुलना में यह वृद्धि लगभग 29 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूँजीगत व्यय का लक्ष्य 64 हजार 738 करोड़ रुपये रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं को सिर्फ पारंपरिक शिक्षा तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि ए.आई., मशीन लर्निंग और कोडिंग जैसी नवीन तकनीकों की भी शिक्षा प्राप्त करनी है। इसके लिए उच्च शिक्षा में 485 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। प्रदेश के 55 जिलों के एक-एक महाविद्यालयों को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में परिवर्तित किया गया है। कौशल विकास को राज्य शासन ने प्राथमिकता पर रखा है। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओं योजना में 8 हजार प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रुपये का स्टायपेंड प्रदान किया गया है। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख विद्यालयों में इन्क्यूवेशन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। राज्य में 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से 60 से अधिक नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इसमें 17 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरने के लिए तेजी से कार्य किया गया है। विगत 8 महीनों में शासकीय नौकरियों में 11 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

61 हजार 629 मेधावी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई गई 450 करोड़ की राशिः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता और व्यवस्था को सर्वसुविधायुक्त व सुदृढ़ बनाने के लिए पीएमश्री योजना के अंतर्गत प्रदेश में 416 विद्यालय संचालित हैं। साथ ही प्रथम चरण में 275 सीएम राइज स्कूल संचालित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात में राष्ट्रीय औसत से आगे निकल गया है। भारतीय संस्कृति के अनुरूप विश्वविद्यालय के कुलपति पद को अब कुलगुरु नाम दिया गया है। मध्यप्रदेश नई राष्ट्रीय नीति के क्रियान्वयन में भी अग्रणी रहा है। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना में इस वर्ष 61 हजार 629 मेधावी विद्यार्थियों को 450 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है।

प्रत्येक जिला अस्पताल में आयुष विंग बनाया जा रहा हैः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आगामी दो वर्ष में लगभग 25 हजार पदों को भरने की योजना है। प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम और बचाव के लिए सभी आदिवासी बहुल जिलों में जांच की व्यवस्था की जा रही है। प्रत्येक जिला अस्पताल में आयुष विंग बनाया जा रहा है। प्रदेश में प्रत्येक जिला अस्पताल में आगामी 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस पर रेडक्रॉस से जन आरोग्य केन्द्र आरंभ किए जा रहे हैं।

संबल योजना का 1 करोड़ 67 लाख से अधिक पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को मिल रहा है लाभः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ 67 लाख से अधिक पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना का लाभ मिल रहा है। इसके लिए इस वर्ष 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के दूसरे चरण में 30 हजार 500 से अधिक श्रमिक परिवारों को 670 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण किया गया। प्रदेश सरकार ने इन्दौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में प्रदेश के 7 लाख 50 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 7 लाख मकानों का निर्माण कर दिया गया है। हर महीने 117 लाख पात्र परिवारों को निःशुल्क अनाज प्रदान किया जा रहा है।

प्रदेश में महिला-पुरुष अनुपात में हुआ सुधारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह और निकाह सहायता योजना में वर्ष 2023-24 में 62 हजार 583 कन्याओं को विवाह के लिए सहायता राशि दी है। लाड़ली बहना योजना अंतर्गत एक करोड़ 29 लाख बहनों के खाते में विगत आठ माह में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। इस वर्ष रक्षाबंधन पर हर लाड़ली बहना के खाते में 250 रुपये की अतिरिक्त राशि जारी की गई है। महिला स्व-सहायता समूहों को सुदृढ़ कर महिलाओं के आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। देश में प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 2017 से 2024 तक 41 लाख 70 हजार बहनों को 1 हजार 150 करोड़ रुपये की राशि दी गई। प्रदेश की लगभग 90 लाख बहनों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिए गए हैं। प्रदेश की 45 लाख 89 हजार बहनों के खाते में 450 रुपये में गैस सिलेण्डर की रीफिलिंग के लिए 118 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिला-पुरुष के अनुपात में सुधार हो रहा है। यह अनुपात प्रति एक हजार पुरुषों पर 927 महिलाओं से बढ़कर 956 हो गया है।

वर्ष 2028-29 तक सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्यः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत अब तक 80 लाख से अधिक किसान भाइयों के खाते में 1 हजार 643 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। सरकार ने फसलों के उर्पाजन और मंडियों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी कई कदम उठाएं हैं। मिट्टी परीक्षण में कृषि स्नातक युवाओं के साथ पार्टनरशिप में कार्य करने की नीति बनाई गई है। कृषि प्र-संस्करण उद्योगों का जाल बिछाकर स्थानीय स्तर पर ही कृषि उपज का मूल्य संवर्धन करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लागू रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत किसानों को प्रति क्विंटल 1 हजार रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। संभाग स्तर पर 10 नर्सरी को हाईटेक बनाने की कार्यवाही जारी है। प्रदेश के 40 लाख किसानों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए हैं। प्रदेश में वर्ष 2028-29 तक सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य है। केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना पर भी कार्य किया जा रहा है। साथ ही पशुपालकों को बिचौलियों के शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 2024-25 में मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना में 150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में चैत्र माह से अगले वर्ष तक गौ-वंश रक्षा वर्ष मनाया जा रहा है।

प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़कर हुआ 6 हजार 444 मेगावॉटः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की उपलब्ध विद्युत क्षमता 22 हजार 823 मेगावाट है। गैर-कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 24 घंटे और कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 10 घंटे प्रतिदिन विद्युत प्रदाय की जा रही है। अटल कृषि ज्योति और अटल गृह ज्योति योजना में उपभोक्ताओं को लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर 6 हजार 444 मेगावाट हो गई है। प्रदेश के 71 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर में जल प्रदाय की सुविधा प्रदान की गई है।

9 हजार 800 एकड़ में विकसित होंगे 31 नए औद्योगिक क्षेत्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास की ठोस पहल के रूप में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की श्रृंखला आरंभ की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ७८वें स्वतंत्रता दिवस शौर्य स्मारक पहुंचें। उन्होंने शहीद स्तंभ पर पुष्प चक्र अर्पित कर वीर सपूतों की शहादत को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक स्थित भारत माता की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला, सेना के अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शासन

देश की आज़ादी के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को कृतज्ञतापूर्ण नमन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

78 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

चौतरफा विकास का परचम लहराता मध्यप्रदेश

युवाओं के लिये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं व्यावसायिक क्षमता निर्माण के लिए सभी 55 जिलों में पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्रारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो रहे आयोजित

संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आहार अनुदान योजना एवं राशन आपके ग्राम जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंदों को सहायता

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 1.29 करोड़ महिलाओं को रक्षाबंधन पर प्रतिमाह ₹1250 के अतिरिक्त ₹250 का विशेष उपहार, अब तक ₹22 हजार 924 करोड़ की सहायता, लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य का ख्याल

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 83 लाख से अधिक किसानों को ₹14254 करोड़ की सहायता

D 18008/24

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़ने के लिए स्कैन करें

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024